www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती
आपका भरोसा, हमारी ताकत
RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 आपरेशन सिंदूर से नुकसान तो चीन को हुआ
3 जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल स्तरीय अधिकारियों...
4 जिला कैथल में ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में...

वर्ष: 9 | अंक: 201 | दिल्ली, शुक्रवार, 16 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

आतंकवादियों का सफाया करना भारत का भारतीय धर्म है: राजनाथ सिंह

(एजेन्सी)।

जम्मू-कश्मीर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि निर्दोष लोगों को मारना आतंकवादियों का कर्म है, जबकि उनका सफाया करना भारत का भारतीय धर्म है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को उनके कर्म को देखकर मारा, क्योंकि उन्होंने निर्दोष लोगों को उनके धर्म को देखकर मारा और यही पाकिस्तान का कर्म था।

श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा। उसके बाद आपने जो जवाब दिया, उसे पूरी दुनिया ने देखा। हमने आतंकवादियों को उनके कर्म देखकर मारा। उन्होंने निर्दोष लोगों को उनके धर्म को देखकर मारा, यह पाकिस्तान का कर्म था। हमने उनके कर्म को देखकर उनका सफाया किया, यह हमारा भारतीय धर्म है।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वह एक डाकिया हैं जो पूरी दुनिया का संदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों तक लेकर आए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह एक संदेशवाहक हैं और वह पूरे देश की शुभकामनाओं, प्रार्थनाओं और आभार के साथ आए हैं।

रक्षा मंत्री पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली

बार जम्मू-कश्मीर आए हैं। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षा मंत्री होने के अलावा, मैं एक संदेशवाहक के रूप में भी यहां आया हूं। मैं पूरे देश की शुभकामनाओं, प्रार्थनाओं और आभार के साथ यहां आया हूं। एक तरह से, मैं आपके पास एक डाकिया के रूप में आया हूं और आपके लिए पूरी दुनिया का संदेश लेकर आया हूं-कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के बारे में पूरी दुनिया यह बात जानती है, कि हमने हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है। हम आमतौर पर युद्ध के समर्थक कभी नहीं रहे। लेकिन स्थितियाँ जब इतनी विकट हो जाएँ, जब देश की संप्रभुता पर आक्रमण हो, तो जवाब देना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में हमारी सेनाओं को, और हमारे सैनिकों को, एक सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

एक सशक्त राष्ट्र वही होता है, जो अपनी सेनाओं को सम्मान के साथ-साथ आधुनिक हथियार और साजो-सामान भी दे, जिसकी उसे जरूरत है। मुझे गर्व है कि आज सरकार, हमारी सेनाओं के लिए यह सब कर रही है। इसके अलावा सीमावर्ती इलाकों में, हमने जो काम किया है, वो आप सब देख रहे होंगे। आज LAC और LoC पर जो connectivity है, वैसी पहले कभी नहीं थी।

अमित शाह ने नक्सलियों से मुठभेड़ में घायल 5 सुरक्षाकर्मियों से की मुलाकात

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया और छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सीमा पर करेगुट्टा पहाड़ियों में चलाए गए 21 दिनों के नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए सुरक्षाकर्मियों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। पांच सुरक्षाकर्मियों में सीआरपीएफ के तीन कोबरा कमांडो, एक सीआरपीएफ

जवान और छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान शामिल है। वे हैं: कोबरा की 204वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट सागर बोराडे, 203वीं कोबरा बटालियन के हेड कांस्टेबल मुनीश चंद शर्मा, 204वीं कोबरा के कांस्टेबल धनु राम, 196वीं सीआरपीएफ बटालियन के कांस्टेबल कृष्ण कुमार गुर्जर और डीआरजी के कांस्टेबल संतोष मुरामी। आपको बता दें कि इस सप्ताह छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेर्गुट्टा पहाड़ी पर 31 माओवादियों को मार गिराया गया जो भारत के सबसे बड़े माओवादी विरोधी अभियान का परिणाम है। सूत्रों ने बताया कि इस अभियान में 450 आईईडी और 40 हथियार भी बरामद किए गए। अभियान को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। सूत्रों ने बताया कि भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और विस्फोटक उपकरणों के अलावा 12,000 किलोग्राम अन्य सामग्री जैसे कि दवा और बिजली के उपकरण भी जब्त किए गए।

'ब्रांडिंग दिल्ली' अभियान के जरिये दिल्ली के गौरव को विश्वभर में पहुँचाया जायेगा: कपिल मिश्रा

पर्यटन, फिल्म और निवेश के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के खुलेंगे द्वार-कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में ब्रांडिंग दिल्ली पहल के तहत प्रमुख पीआर/मीडिया एजेंसियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य दिल्ली को वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतियाँ तय करना था। बैठक में विभिन्न प्रचार प्रसार एजेंसियों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों एवं ब्रांडिंग सलाहकारों ने भाग लिया।

मंत्री ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह पहल केवल एक प्रचार मुहिम नहीं बल्कि दिल्ली की समृद्ध विरासत, विविधता, ऐतिहासिकता और समकालीन संस्कृति को विश्व पटल पर उभारने का एक प्रयास है। यह बैठक ब्रांडिंग दिल्ली के तहत भावी रोडमैप

तैयार करने के लिए बुलाई गयी थी जिसके जरिए राजधानी दिल्ली को विकसित दिल्ली के साथ ही सांस्कृतिक और पर्यटन हब के रूप में सशक्त किया जाना और साथ ही एक वैश्विक, आधुनिक और समृद्ध राजधानी के रूप में प्रस्तुत करना है।

'ब्रांडिंग दिल्ली' पहल को लेकर श्री कपिल मिश्रा ने कहा, "दिल्ली की पहचान ऐतिहासिक धरोहरों, कला, संस्कृति और उदार सोच से जुड़ी है। अब समय है कि हम मिलकर एक सशक्त ब्रांड तैयार करें जो दिल्ली के गौरव को विश्वभर में पहुंचाए। दिल्ली सरकार की कोशिश है कि पर्यटन के लिहाज से दिल्ली ट्रांसिट पॉइंट से आगे बढकर वैश्विक पर्यटन केंद्र बने। इसलिए दिल्ली के छोटे छोटे दर्शनीय स्थलों की भी बड़े स्तर पर ब्रांडिंग की जरूरत है। देश और विदेश के पर्यटक दिल्ली में ठहरकर विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर अपना समय व्यतीत करें।"

मंत्री ने सभी एजेंसियों से रचनात्मक सुझाव भी आमंत्रित किए और इस अभियान को सहभागी, पारदर्शी और नवोन्मेषी बनाने का आह्वान किया। बैठक में सहभागियों ने ब्रांडिंग के विभिन्न आयामों जैसे–डिजिटल मीडिया प्रचार, सांस्कृतिक आयोजनों का वैश्विक प्रदर्शन, अंतरराष्ट्रीय टूरिज्म पार्टनरशिप और समावेशी शहर के छवि निर्माण पर व्यापक चर्चा की।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

दिल्ली विस की विरासत और डिजिटल गवर्नेंस का किया प्रदर्शन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक उच्चस्तरीय 41-सदस्यीय इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल से विशेष संवाद किया। यह प्रतिनिधिमंडल 12 से 17 मई, 2025 तक राष्ट्रीय सुशासन केंद्र द्वारा आयोजित 'एक सप्ताहीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' के अंतर्गत भारत यात्रा पर है।

इस प्रतिनिधिमंडल में इथियोपिया की यूनियन पार्लियामेंट की उपाध्यक्ष जहरा हुमेद, क्षेत्रीय विधानसभाओं के अध्यक्षगण, राज्य मंत्री, विभागीय सचिव एवं सुरक्षा विभागों के प्रमुख शामिल थे। दिल्ली विधान सभा परिसर में इस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यप्रणाली, ऐतिहासिक विरासत एवं प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों की जानकारी दी।

अपने संबोधन में श्री गुप्ता ने भारत और इथियोपिया के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए साझा परंपराओं जैसे समोसा और चाय का उल्लेख किया। उन्होंने दिल्ली विधान सभा द्वारा अपनाई गई प्रमुख पहलों की जानकारी दी, जिसमें राष्ट्रीय ई-विधान अनुप्रयोग के अंतर्गत पेपरलेस कार्यवाही, 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना-जिसके माध्यम से दिल्ली विधानसभा देश की पहली पूर्णतः सौर ऊर्जा चालित विधानसभा बनी–और डिजिटल पुस्तकालय जैसे नवाचार शामिल हैं।

अध्यक्ष ने विधायक-मंत्री सहभागिता तंत्र, जनशिक्षा को बढ़ावा देने हेतु लाइट एंड साउंड शो, और आजादी के आंदोलन से जुड़ी प्रस्तुतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विधानसभा को एक जीवंत लोकतांत्रिक केंद्र एवं नागरिक जागरूकता के मंच में रूपांतरित किया जा रहा है। श्री गुप्ता ने भवन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला-यह भवन मूलतः 1909 के मॉर्ले-मिंटो सुधारों के तहत इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के लिए निर्मित हुआ था, जहाँ 1914 में पहली बैठक हुई थी। यह भवन आगे चलकर केंद्रीय विधान सभा और काउंसिल ऑफ स्टेट्स की संयुक्त बैठक का स्थल भी रहा। 1966 से 1990 के बीच यह दिल्ली मेट्रोपॉलिटन काउंसिल का केंद्र रहा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संसदीय सहयोग और जन से जन संपर्क की भूमिका पर बल देते हुए कहा, दिल्ली विधान सभा केवल एक विधायी मंच नहीं, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की जीवंत धरोहर है। हमें अपने इथियोपियाई साथियों का स्वागत कर प्रसन्नता हो रही है और हम भविष्य में निरंतर सहयोग की आशा करते हैं।

अंत में, इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विधान सभा और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस संवाद को अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी बताया।

वर्ष 2028 तक दिल्ली में गायब हो जाएंगे कूड़े के पहाड़-मनजिंदर सिंह सिरसा

अब तक 56 लाख मीट्रिक टन कचरे की हो चुकी है बायो-माइनिंग और प्रोसेसिंग

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और रहने योग्य बनाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने ओखला लैंडफिल स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इस लैंडफिल साइट पर चल रही बायो-रिमेडिएशन और बायो-माइनिंग गतिविधियों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि यह लैंडफिल साइट लंबे समय से दिल्ली की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ दिल्ली के माननीय महापौर श्री राजा इकबाल सिंह, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, क्षेत्रीय प्रतिनिधि तथा एमसीडी और राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विजिट के दौरान माननीय मंत्री ने कहा कि 62 एकड़ क्षेत्र में फैले ओखला लैंडफिल की ऊँचाई 60 मीटर से घटकर अब 20 मीटर रह गई है। इसके तहत अब तक 30 एकड़ से अधिक भूमि को कचरे से मुक्त होकर समतल हो चुकी है। सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को हटाया जाए और वर्ष 2028 तक दिल्ली से सभी "कूड़े के पहाड़" समाप्त कर दिए जाएं। श्री सिरसा ने कहा, जो काम पिछली आप-दा सरकार 10 वर्षों में भी नहीं कर पाई, वह हम कुछ ही समय में करके दिखा रहे हैं। यह कोई जादू नहीं, बल्कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में किये गए स्वच्छ दिल्ली संकल्प के निरंतर प्रयास का नतीजा है। आम आदमी पार्टी का नाम बदलकर अब आगे आए पॉल्यूशन पार्टी कर दिया जाना चाहिए।

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने बताया कि अब तक 56 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे की साइंटिफिक बायो-माइनिंग और प्रोसेसिंग हो चुकी है। चरण 2 के अंतर्गत 6.55 लाख मीट्रिक टन कचरे की प्रोसेसिंग तो सिर्फ कुछ महीनों में ही की गई है। चरण 2 के तहत 20 लाख मीट्रिक टन कचरे की प्रोसेसिंग जारी है जिसे आवश्यकतानुसार 30 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है। इस लक्ष्य की समय-सीमा दिसंबर 2025 है जिसके लिए कार्य तेजी से प्रगति पर है, जबकि सरकार अक्टूबर 2025 तक ही इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रही है। कचरे के समुचित निस्तारण में बायो-माइनिंग प्रक्रिया के तहत पुराने कचरे को इनर्ट मैटेरियल, मिट्टी, रीसाइक्लेबल और आरडीएफ में विभाजित किया जाता है। आरडीएफ का उपयोग वैकल्पिक ईंधन के रूप में सीमेंट और पेपर उद्योगों में किया जा रहा है, जबकि अन्य सामग्रियों का उपयोग सड़क निर्माण और साइट लेवलिंग जैसे कार्यों में किया जा रहा है।

माननीय श्री सिरसा ने आगे कहा, अगर भारत सीमा पार जाकर आतंकियों के ठिकाने नष्ट कर सकता है, तो हम अपनी राजधानी से कूड़े के पहाड़ भी हटा सकते हैं ताकि दिल्ली के नागरिकों का स्वास्थ्य और भविष्य सुरक्षित रह सके। जैसे पृथ्वी से डायनासोर लुप्त हो गए, वैसे ही ये कूड़े के पहाड़ भी दिल्ली से गायब हो जाएंगे। दिल्ली में पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। इससे लैंडफिल के आसपास रहने वाले लाखों लोगों को एक नया जीवन मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा लोक सेवा आयोग की स्थगित परीक्षाएं अब 29 मई को

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 11 मई को आयोजित की जाने वाली जिन परीक्षाओं को स्थगित किया गया था, वे अब 29 मई को आयोजित की जाएंगी। आयोग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कॉलेज कैडर के सहायक प्रोफेसर के पदों पर रसायन विज्ञान (विज्ञापन संख्या 43/2024) विषय की परीक्षा प्रात:कालीन सत्र में तथा भौतिकी (विज्ञापन संख्या 61/2024) विषय की परीक्षा सायंकालीन सत्र में 29 मई को संपन्न कराई जाएगी। प्रवक्ता ने यह भी जानकारी दी कि सभी अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र पुन: डाउनलोड करने होंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग द्वारा शीघ्र ही जारी की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम जानकारी के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से विजिट करते रहें।

आशिमा बराड़ को आबकारी एवं कराधान विभाग का अतिरिक्त कार्यभार

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सहकारिता विभाग की आयुक्त एवं सचिव तथा हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम की प्रबंध निदेशक आशिमा बराड़ को आबकारी एवं कराधान विभाग के आयुक्त एवं सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

राहुल की बढ़ेगी मुसीबत!

दरभंगा (एजेन्सी)। दरभंगा जिला प्रशासन ने घोषणा की है कि वह कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों, विशेष रूप से धारा 163 का उल्लंघन करने के आरोप में कानूनी कार्रवाई करेगा। यह घोषणा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समाचार एजेंसी एएनआई को दिए गए एक बयान के माध्यम से की गई। विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास में छात्रों को संबोधित करने के लिए जाने का प्रयास कर रहे थे। जिला प्रशासन ने छात्रावास में कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं दी थी और इसके बजाय टाउन हॉल को वैकल्पिक स्थल के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। इसके बावजूद, गांधी ने छात्रावास की ओर बढ़ने का प्रयास किया। शुरू में, उनके काफिले को विश्वविद्यालय के गेट के पास रोक दिया गया, लेकिन उनके समर्थकों के जोरदार आग्रह के बाद गेट खोल दिया गया। बाद में उन्हें अंबेडकर छात्रावास से कुछ ही दूर खानकाह चौक पर फिर से रोक दिया गया। वापस लौटने से इनकार करते हुए, गांधी पैदल ही आगे बढ़ते रहे और अंतत: कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने छात्रों को सीधे संबोधित किया।

आंध्र प्रदेश सरकार ने नॉन-लोकल कोटा किया खत्म

आंध्र प्रदेश (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश सरकार ने एक बड़े नीतिगत बदलाव के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए अपने नियमों में संशोधन किया है, जिससे मौजूदा 15% गैर-स्थानीय कोटा समाप्त हो गया है। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल आंध्र प्रदेश के छात्रों के लिए आरक्षित होगा। यह कदम प्रभावी रूप से तेलंगाना सहित अन्य राज्यों के छात्रों को गैर-स्थानीय श्रेणी के तहत प्रवेश लेने से रोक देगा। नए सरकारी आदेशों के अनुसार, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, फामेर्सी, वास्तुकला, फार्मा डी, व्यवसाय प्रशासन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, कानून, शिक्षा और शारीरिक शिक्षा जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश अब केवल उन छात्रों को आवंटित किया जाएगा जो आंध्र प्रदेश के स्थानीय निवासी होने के योग्य हैं।

सीएम ने शहीद दिनेश कुमार शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों का बंधाया ढांढस

'गांव में शहीद दिनेश कुमार शर्मा के नाम से बनाया जाएगा पार्क'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। गत दिनों पाकिस्तानी सेना द्वारा पुंछ सीमा पर किए गए हमले में शहीद हुए जिला पलवल के उपमंडल होडल के लांस नायक शहीद दिनेश कुमार शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को गांव नगला मोहम्मदपुर पहुंचे। उन्होंने शहीद दिनेश कुमार शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शहीद को नमन किया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार और पूरा क्षेत्र उनके परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने शहीद के परिजनों का ढांढ़स बंधाया और उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सपूत शहीद दिनेश कुमार शर्मा ने सीमा पर पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का डटकर मुकाबला करते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया, जिस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय दिनेश कुमार शर्मा पुंछ सीमा पर लांस नायक के पद पर तैनात थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह

सैनी ने कहा कि शहीद दिनेश कुमार शर्मा के परिजनों को सरकार की योजना के अनुसार आर्थिक मदद व सुविधाएं दी जाएंगी। शहीद दिनेश कुमार शर्मा के पिता दयाचंद ने गांव में ढाई बीघा जमीन पर पार्क बनाने की बात कही जिस पर मुख्यमंत्री ने शहीद के नाम पर पार्क बनवाने का आश्वासन दिया।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव के सरपंच कुमार युगपुरूष के निवास स्थान पर पहुंचकर सरपंच के दादा स्वर्गीय पंडित शीशराम पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और ढांढ़स बंधाया। गांव से लौटते समय मार्ग पर महिलाओं को देखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला रुकवाया और ग्रामीण महिलाओं की मांगों को सुना। महिलाओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष गांव की प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही तुरंत गांव की प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की घोषणा की।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, विधायक हरेंद्र सिंह सहित गांव के अनेक गणमान्य लोग तथा अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली के 111 गांवों में पीएनजी आपूर्ति का किया गया उद्घाटन

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली के 111 गांवों में पीएनजी आपूर्ति का आज उद्घाटन किया गया। इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली का विकास गांवों से ही संभव है। इसलिए घरों में नीली लौ के लिए बिछाई गई पाइपलाइन दिल्ली के नीले आसमान और दिल्ली की महिलाओं को राहत देने के लिए जरूरी है। मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने कम समय में दिल्ली के 111 गांवों तक ये पाइपलाइन पहुंचा दी है। उन्होंने कहा कि 130 गांवों तक काम हो चुका है और अब हम इस साल के अंत तक बाकी 116 गांवों में भी काम पूरा करना चाहते हैं, ताकि दिल्ली के सभी गांवों तक पीएनजी पाइपलाइन पहुंच सके।

रेखा गुप्ता ने साफ तौर पर कहा कि डबल इंजन की सरकार जनता को रोजाना पूरा लाभ दे रही है। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन सभी घरों की रसोई से धुआं हटाना था। 2022 तक 30% गांव अभी भी ऊर्जा के पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल करते थे और अब यह बदल गया है। 111 गांवों के साथ एक नया अध्याय शुरू किया गया है। वहीं, बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि इससे जनता को बहुत फायदा होगा। मेरे लोकसभा क्षेत्र के आखिरी गांव ओचंडी

तक पीएनजी पहुंच गई है। मैं प्रधानमंत्री जी, उनके विजन, दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली के मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। 6 महीने बाद बाकी बचे गांवों में भी पीएनजी पहुंच जाएगी, जिससे दूसरे लोगों को भी फायदा होगा।

इसके अलावा दिल्ली सरकार का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) लोगों की सुरक्षा, विशेषकर महिलाओं की, बढ़ाने के उद्देश्य से शहर में 50,000 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बना रहा है और इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने हालिया बजट भाषण के दौरान इस प्रस्ताव की घोषणा करते हुए कहा था कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा और निगरानी में सुधार के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाएगी।

सम्पादकीय

भारत का 'न्यू नॉर्मल'

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नहीं सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी। भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी–बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं सका। बालाकोट और उरी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली है, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू–इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी कड़े फैसले उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में है, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है। ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चला इसे सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने ये स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरुद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा। पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं कीं, डोजियर सौंपने की नीति नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को नहीं, बल्कि उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था– आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है। यह बदला हुआ भारत है, जो अब इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब वार किया, जहां वार किया, वहां तबाही किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य रूप से उसको आघात और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला। पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन–मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम–विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच–समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं हैं। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

आपरेशन सिंदूर से नुकसान तो चीन को हुआ

एक बात भारत ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई में चीन से मिले हथियारों का नाम लिया है। भारत ने बताया कि पाकिस्तान ने इन हथियारों का इस्तेमाल भारतीय सेना पर हमला करने के लिए किया था। डीजीएओ एयर मार्शल एके भारती ने सबके सामने पाकिस्तान और चीन की इस सांठ-गांठ के सबूत दिखाए। ये काम तो बहुत पहले से होना चाहिए था। वैसे चीन पर इसका कोई असर होने वाला नहीं है

–अशोक मधुप

भारत के चार दिवसीय आपरेशन सिंदूर को लेकर हुए युद्ध विराम की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत और पाकिस्तान दोनों अपनी-अपनी सफलता पर प्रसन्न है। दोनों जश्न मना रहे हैं, किंतु इस युद्ध से सबसे ज्यादा लाभ भारत को हुआ है, और सबसे ज्यादा नुकसान युद्ध से दूर खड़े होकर तमाशा देख रहे चीन को। भारत युद्ध में अपने शस्त्रों विशेषकर मिसाइलों की गुणवत्ता और सटीकता को पूरी दुनिया में साबित करने में कामयाब रहा। इससे भारत में बनी रक्षा प्रणालियों और हथियारों को लेकर माँग अब बढ़ेंगी। हालाकि चीन युद्ध में शामिल नहीं था किंतु पाकिस्तान उसके अस्त्र-शस्त्रों के बल पर जंग के मैदान में था। चीन के बने उपकरण पहले ही अपनी निम्न क्वालिटी के लिए प्रसिद्ध थे। इस युद्ध में तो उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने और चीन के सामान की शाख मिट्टी में मिला दी। चीन अब सफाई में भले ही यह कह रहा है कि उसके उपकरण सही हैं, पाकिस्तानी सैनिकों पर उन्हें चलाना नही आया। चीन अब कुछ भी सफाई ने किंतु कोई भी देश अब ये मानने को तैयार नहीं कि चीन के शस्त्र किसी काम के हैं। इस चार दिनी युद्ध में सबसे ज्यादा नुकसान चीन को हुआ। चीन अब कुछ भी तर्क दे, कोई भी दावा करे, अब कोई उसकी बात पर यकीन करने वाला नही है।

पाकिस्तान वर्तमान में चीन के बनाए हुए HQ-16 और HQ-9 एयर डिफेन्स सिस्टम का इस्तेमाल करता है। HQ-9 जहाँ 125 किलोमीटर तो HQ-16 लगभग 50 किलोमीटर की रेंज वाला एयर डिफेन्स सिस्टम है। पाकिस्तान के लिए चीन ने इसमें बदलाव किए, इसके बावजूद इसका कोई फायदा नहीं हुआ है। ये सिस्टम न तो भारत के द्रोण रोक सके और नहीं मिसाइल। यह एक भी भारतीय मिसाइल, ड्रोन या लोइटेरिंग म्युनिशन नहीं पकड़ पाए। भारत ने तो इन डिफेन्स सिस्टम को ही तबाह कर दिया। चीन ने पाकिस्तान को जेएफ-17 लड़ाकू विमान भी बेचा। पाकिस्तान को इसका भी कोई लाभ न मिल सका। पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए चीन में बने ड्रोन का भी इस्तेमाल किया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चीन के विंग लूँग और CH-II ड्रोन इस्तेमाल किए थे। इन्हें भी भारत ने सीमा पर ही मार गिराया है। इनमें से कोई भी ड्रोन भारत के किसी टार्गेट को हिट नहीं कर पाया।

हम जानते हैं कि चीन भारत का प्राकृतिक शत्रु देश है। कितना भी कर लें वह भारत का मित्र नहीं हो सकता। वह पाकिस्तान का मित्र देश है और आज पाकिस्तान को शस्त्र देने वाला सबसे बड़ा आपूर्ति करता देश। इतना जानने के बावजूद हम भारतवासी सस्ते के चक्कर में चीन का बना सामान धड़ल्ले से खरीदते हैं। कभी चीन से विवाद के समय ही हमारी देशभक्ति जागती है, वह भी कुछ दिन के लिए और मात्र फेसबुक तक। यदि आधे भारतवासी ही एक साल के लिए चीन के बने सामान का बायकाट कर दें तो चीन घुटनों में आ जाए। कुछ साल के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा से मुंह मोड़कर देखिए। चीन रास्ते पर आ जाएगा।

लगभग 50 के आसपास अरब देश हैं किंतु दो अरब देश तुर्की और अजरबैजान ही इस लड़ाई में पाकिस्तान के साथ पूरी ताकत के साथ खड़े नजर आए। इस लड़ाई में पाकिस्तान ने तुर्की में बने 40 से ज्यादा द्रोण का इस्तेमाल किया, हालाकि ये सभी रास्ते में मार दिए गए।

2024 में पर्यटन के लिए 2.75 लाख भारतीय तुर्की गए। 2024 में पर्यटन के लिए 2.5 लाख भारतीय अजरबैजान के बाकू गए। 2022-2024 के दौरान अजरबैजान में भारतीय पर्यटकों के आगमन में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और अजरबैजान में औसत प्रवास समय 4-6 दिन है। तुर्की में भारतीयों का औसत प्रवास 7-10 दिन है। कुल मिलाकर, भारतीय अजरबैजान की अर्थव्यवस्था में सालाना 1,000-1,250 करोड़ रुपये का योगदान करते हैं। भारतीय तुर्की की अर्थव्यवस्था में सालाना 2,900-3,350 करोड़ रुपये का योगदान करते हैं। इस्तांबुल, कप्पाडोसिया और अंताल्या में भारतीयों की सबसे ज्यादा दिलचस्पी है। विदेश में प्रति भारतीय पर्यटक का औसत खर्च प्रति यात्रा ए से सवा लाख रुपये है। चूंकि भारत का मध्यम वर्ग अतिरिक्त आय के साथ 40 करोड़ तक पहुंच गया है, इसलिए सोशल मीडिया और फिल्मों के माध्यम से लोकप्रियता उन्हें तुर्की और अजरबैजान की ओर आकर्षित कर रही है। भारत के कारण, तुर्की और अजरबैजान में 20,000 प्रत्यक्ष पर्यटन नौकरियों का सृजन हुआ। अप्रत्यक्ष नौकरियां 45,000-60,000 से अधिक हैं। पिछले चार वर्षों में तुर्की के आतिथ्य क्षेत्र में भारतीय निवेश में 35% की वृद्धि हुई है।

अपने दुश्मन देश को लाभ पहुंचाना बंद करने देखिए। सांप और सपोलिए पालना बंद करिए। सब रास्ते पर आ जाएंगे। दुनिया भर के देशों में घूमने के लिए बहुत सी खूबसूरत जगह हैं, सिवाय इन दो देशों के। अगली बार, जब भी यात्रा की योजना बनाएँ, तो इन दो देशों को छोड़ कर कहीं भी चले जाए, ये ज्यादा ठीक होगा। इस चार दिन के भारत और पाकिस्तान के संघर्ष के बाद यह तय हो गया कि दुनिया में भारत के अपने शस्त्रों की विश्वसनीयता बढ़ी है। ब्रह्मोस्त्र की तो पहले ही मांग होने लगी थी। अब और ज्यादा मांग आएगी। भारत का शस्त्रों का बाजार बढ़ेगा। निर्यात बढ़ेगा तो देश की अर्थ व्यवस्था मजबूत होगी। रूस एस-500 बनाने की पहले ही तकनीक भारत को देने को तैयार है। रूस-भारत का विश्वसनीय मित्र है। भारत को चाहिए की समय की मांग को देखते हुए एस-500 का निर्माण अपने यहां शुरू कर दे। राफेल की तरह दुनिया की सबसे श्रेष्ठ तकनीक खरीदे। अमेरिका मात्र शस्त्रों का सौदागर है। वह किसी देश का मित्र नही हो सकता। भारत को चाहिए कि अमेरिका का बिल्कुल विश्वास न करें। इन चार दिनों के युद्ध में रूस और इजराइल भारत के साथ खड़े रहे। अब भारत को समय की जरूरत के हिसाब से नए मित्र बनाने होंगे। अपने को मजबूत करना होगा। तुर्की में भूकंप आने पर भारत 'ऑपरेशन दोस्त' शुरू किया। इसके तहत तुर्की को मेडिकल सहायता भेजी गई। इस ऑपरेशन के तहत एनडीआरएफ की दो टीमें तुर्की भेजीं। इसमें एक डॉग स्क्वॉड भी शामिल था। भारत की रेस्क्यू टीमों ने मलबे में दबे लोगों को खोजने, उन्हें बाहर निकालने में मदद की। ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत ने छह विमान और 30 बिस्तरों वाला मोबाइल अस्पताल, मेडिकल सामग्री सहित सभी जरूरी सामान भिजवाए। तुर्किए में भारत का ऑपरेशन दोस्त 10 दिनों तक चला। इसका बदले तुर्की ने पाकिस्तान की किस तरह मदद की। किस तरह शस्त्र भिजवाए, यह हाल में पता चल गया। अनुमान लगाए जा रहे हैं कि चीन के हथियारों के भारत के खिलाफ फेल होने के बाद अब पाकिस्तान अमेरिका और बाकी पश्चिमी देशों से हथियार खरीदने पर जोर लगाएगा। हालाँकि, उसकी आर्थिक स्थिति को ठीक नही किंतु यह एक हजार साल भी भारत से लड़ने का इरादा रखता है। भले ही उससे दुनिया के आगे भीख मांगनी पड़े। झोली फैलनी पडे।

अमेरिका भारत के विरोध के बावजूद पहले भी पाकिस्तान को युद्ध सामग्री देता रहा है। भात के पुरजोर विरोध के बावजूद उसने पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की खेप दी थी। अब चीन से पाकिस्तान का मोहभंग होता देख अमेरिका और मित्र देश पाकिस्तान को अपने खेमें में लेने के लिए कार्य करेंगे।

एक बात और भारत ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई में चीन से मिले हथियारों का नाम लिया है। भारत ने बताया कि पाकिस्तान ने इन हथियारों का इस्तेमाल भारतीय सेना पर हमला करने के लिए किया था। डीजीएओ एयर मार्शल एके भारती ने सबके सामने पाकिस्तान और चीन की इस सांठ-गांठ के सबूत दिखाए। ये काम तो बहुत पहले से होना चाहिए था। वैसे चीन पर इसका कोई असर होने वाला नहीं है। उसका ध्येय अपना और अपनी सीमाओं का विस्तार करना है, वह इसमें लगा है। चीन भारत को अपना सबसे प्रबल शत्रु मानता है,वह मानता रहेगा। भारत अपने दुश्मनों की मदद करन में चीन का नाम ले या न लें को फर्क पड़ने वाला नही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बलूच विद्रोही अब पाकिस्तानी सेना के लिए बड़ी चिंता का विषय

पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों से पता चलता है कि बलूच विद्रोह एक महत्वपूर्ण नए चरण में प्रवेश कर चुका है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद, बड़ी मात्रा में अत्यधिक परिष्कृत हथियार, जिनका इस्तेमाल अफगान सुरक्षा बलों द्वारा किया जाता था, क्षेत्र के काले बाजारों में पहुंच गए हैं। इनमें से कई अमेरिकी निर्मित हथियार बलूच सशस्त्र समूहों के हाथों में भी पहुंच गए हैं

–मनीष राय

बलूच विद्रोहियों के भीषण हमलों ने पाकिस्तानी सेना को हिलाकर रख दिया है, इस समय पाकिस्तानी फौज मुख्य रूप से भारतीय मोर्चे पर तैनात है। बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में सिर्फ.एक दिन में पाकिस्तानी सेना पर छह हमले हुए। पाकिस्तान ने भारत के साथ हाल ही में हुए सैन्य टकराव के कारण बलूचिस्तान से अपनी सेना की टुकड़ियों को काफी संख्या में हटा के पूर्वी सीमा पर तैनात किया। बलूच विद्रोहियों के चल रहे अभियानों और सैनिकों की इस कटौती ने पाकिस्तानी सेना पर अतिरिक्त दबाव डाला. सबसे बड़े विद्रोही संगठन, बलूच लिबरेशन आर्मी ने हेरोफ सैन्य अभ्यास नामक एक अभियान शुरू किया, जिसमें उसने 51 से ज्यादा जगहों पर 71 से ज्यादा समन्वित हमले करने का दावा किया। BLA ने एक प्रेस बयान में कहा कि उसने कई शहरों पर कब्जा कर लिया है और बलूचिस्तान और सिंध को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग N-65 सहित राजमार्गों पर चेक पोस्ट स्थापित किए हैं, और लेवीज पुलिस स्टेशन और NADRA कार्यालय जैसी कई सरकारी कार्यालयों पर कब्जा कर लिया। ये सुसंगठित हमले स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि यदि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की इकाइयों को अन्य मोर्चों पर तैनात किया जाता है, भले ही थोड़े समय के लिए, बलूचिस्तान पर सरकारी नियंत्रण बहुत कमजोर और विद्रोहियों की दया पर निर्भर हो जाता है। इन व्यापक हमलों के साथ, बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर अपनी पहुंच, क्षमता और जटिल हमलों को समन्वित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के लगभग सभी संघीय और राज्य सुरक्षा और खुफिया बलों की बलूचिस्तान में व्यापक उपस्थिति है। वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और पाकिस्तानी सेना, सभी बलूचिस्तान में उपस्थिति बनाए रखते हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण शाखा सेना है। पाकिस्तानी सेना की XII कोर, जिसकी कमान एक लेफ्टिनेंट जनरल के पास होति है, जो दक्षिणी कमान के कमांडर के रूप में भी काम करते है, क्वेटा स्थित सेना कोर मुख्यालय से ऑपरेट करते है और और सीधे पाकिस्तानी सेना प्रमुख को रिपोर्ट करते है। पाकिस्तान वायु सेना बलूचिस्तान में चार ठिकानों का संचालन करती है। प्राथमिक बेस क्वेटा में समुंगली है और यह 31वें फाइटर विंग का अड्डा है। पाकिस्तानी नौसेना बलूचिस्तान में अरब सागर पर चार नौसैनिक ठिकानों का संचालन करती है। प्राथमिक बेस पश्चिमी बलूचिस्तान में ग्वादर का गहरे पानी का बंदरगाह है, जो कराची के बाद पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। यह बंदरगाह पाकिस्तान तटरक्षक बल की तीसरी बटालियन का भी घर है। तीन छोटे नौसैनिक अड्डे जिवानी, ओरमारा और पसनी में स्थित हैं। पाकिस्तान खुफिया तंत्र भी बलूचिस्तान में हमेशा बड़ी तैनाती बनाये रखता है। इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस डायरेक्टोरेट (आईएसआई) रणनीतिक खुफिया जानकारी के साथ-साथ संचालन के लिए जिम्मेदार है और क्वेटा में इसका एक बड़ा हिस्सा है। आईएसआई का संयुक्त सिग्नल इंटेलिजेंस ब्यूरो (जेआईएसबी) सैन्डक में सिग्नल इंटेलिजेंस संग्रह स्टेशन संचालित करता है, जो पश्चिमी सीमा को कवर करता है, और ग्वादर में, जो ओमान की खाड़ी के शिपिंग लेन को कवर करता है।

आईएसआई के अलावा, प्रत्येक सेवा में सैन्य खुफिया एजेंसियां हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से एमआई (MI) के रूप में जाना जाता है, जो सामरिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। संघीय सरकार के इन बलों के अलावा, पाकिस्तान आंतरिक मंत्रालय बलूचिस्तान पुलिस और प्रांत में फ्रंटियर कोर को नियंत्रित करता है। बलूचिस्तान पुलिस के पास पूरे प्रांत के लिये अधिकार प्राप्त है और अपराध से लड़ने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वे जिम्मेदार हैं। बलूचिस्तान कांस्टेबुलरी, जिसे कभी-कभी लेवी के रूप में संदर्भित किया जाता है, प्रांत के दूरदराज के इलाकों में पुलिस को मदद प्रदान करती है। फ्रंटियर कॉर्प्स बलूचिस्तान को प्रांत में बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। यह आंतरिक मंत्रालय के तहत एक अर्धसैनिक बल है और प्रांत की सुरक्षा तंत्र में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। पाकिस्तानी नीति निमार्ता, इतनी बड़ी संख्या में बलों को तैनात करने के बावजूद, हमेशा बलूचिस्तान पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करते है।

पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों से पता चलता है कि बलूच विद्रोह एक महत्वपूर्ण नए चरण में प्रवेश कर चुका है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद, बड़ी मात्रा में अत्यधिक परिष्कृत हथियार, जिनका इस्तेमाल अफगान सुरक्षा बलों द्वारा किया जाता था, क्षेत्र के काले बाजारों में पहुंच गए हैं। इनमें से कई अमेरिकी निर्मित हथियार बलूच सशस्त्र समूहों के हाथों में भी पहुंच गए हैं, जैसे M16A2 और M16A4 असॉल्ट राइफलें, ट्राइजिकॉन ACOG ऑप्टिक्स और M203 अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर। छोटे आग्नेयास्त्रों और RPG-7 पैटर्न रॉकेट लॉन्चर के अलावा, बलूच विद्रोही PK(M) और MG3 वेरिएंट जैसी विभिन्न मशीन गन का इस्तेमाल कर रहे हैं। कभी-कभी, विद्रोहियों को भारी मशीन गन (HMG) का इस्तेमाल करते हुए भी देखा गया है। बलूच सशस्त्र समूह धीरे-धीरे उस विद्रोह को मजबूत करने की ओर बढ़ रहे हैं जो पहले एक खंडित विद्रोह था। पिछले कुछ वर्षों में, विद्रोही समूहों ने पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ एकजुट लड़ाई के लिए या तो विलय कर लिया है या सामरिक गठबंधन बना लिया है। ऐसा करके, वे जटिल ऑपरेशनों को अंजाम देने के लिए बेहतर संसाधन और बेहतर समन्वय प्राप्त करने में सक्षम हो गए हैं। साथ ही, सशस्त्र समूहों का नेतृत्व काबिलाई सरदारों से सुशिक्षित और अत्यधिक प्रेरित बलूच मध्यम वर्ग के हाथों में चला गया है। और बलूच विद्रोहियों का ये नया नेतृत्व विद्रोह को सुव्यवस्थित कर गुरिल्ला युद्ध में बदल रहा हैं।

वास्तव में, बलूच सशस्त्र समूहों ने हर आयाम में अपनी क्षमताओं को कई गुना बढ़ा लिया है। पिछले कुछ वर्षों में, बलूच विद्रोहियों ने अपनी संचार क्षमताओं और हथियारों में काफी सुधार किया है। विद्रोह की लंबी उम्र और लचीलापन निस्संदेह विद्रोहियों के लिये एक ताकत है, क्योंकि इस वजह से बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना के तथाकथित विभिन्न आतंकवाद विरोधी तरीकों के अनुकूल होना और उनका जवाब देना सीख लिया है। जमीन पर, ये समूह इतने सक्षम हैं कि वे घात लगा के किये हमले, IED ब्लास्ट, स्नाइपर फायर और आत्मघाती हमलों जैसी गुरिल्ला रणनीति के जरिए पाकिस्तानी सेना को धूल चटा सकते हैं। यह एक कठोर सत्य है कि बलूचिस्तान धीरे-धीरे पाकिस्तान के हाथों से फिसल रहा है, और यह केवल समय की बात है जब इस्लामाबाद देश के दूसरे विभाजन को देखेगा।

(लेखक मध्य-पूर्व के स्तंभकार और भू-राजनीतिक विश्लेषक हैं)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

जबरदस्त भूकंप से हिली तुर्की, रिक्टर स्केल पर 5.2 रही तीव्रता

(एजेन्सी)।

तुर्की। तुर्किए के अनातोलिया क्षेत्र के कोन्या प्रांत में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। देश के आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, गुरुवार को तुर्की के कोन्या प्रांत में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। तुर्की मीडिया के हवाले से News.Az ने बताया कि इसका केंद्र कोन्या के कुलु जिले में था। भूकंप 18.7 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, इतना शक्तिशाली था कि राजधानी अंकारा सहित आस-पास के इलाकों में भी महसूस किया गया। नुकसान या चोटों की तत्काल कोई रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। अधिकारी प्रभाव का आकलन कर रहे हैं।

मैंने कोई मध्यस्थता नहीं कराई, भारत-पाकिस्तान सीजफायर वाले बयान से ट्रंप का यू-टर्न

(एजेन्सी)।

अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को अपने उस दावे से पीछे हटते नजर आए, जिसमें उन्होंने पिछले सप्ताह भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए सीधे तौर पर मध्यस्थता करने की बात कही थी। कतर के अल-उदीद एयर बेस पर सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने ऐसा किया, लेकिन मैंने निश्चित रूप से मदद की। रॉयटर्स ने बताया कि अमेरिकी सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच शत्रुता समाप्त हो गई है और वे इससे खुश हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता संघर्षों को समाप्त करना है, न कि उन्हें शुरू करना।

10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद दोनों देश पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं। बाद में, भारत के विदेश मंत्रालय ने उनके दावे का खंडन किया और कहा कि सैन्य संघर्ष विराम दोनों देशों के बीच डीजीएमओ-स्तरीय वार्ता का परिणाम था। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष विराम पाकिस्तान के डीजीएमओ द्वारा अपने भारतीय समकक्ष से युद्ध विराम का अनुरोध करने के बाद हुआ। यह भारत द्वारा पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों और एयरबेसों पर जवाबी हमले के बाद हुआ। 13 मई को ट्रंप ने कहा कि शायद भारत और पाकिस्तान एक साथ अच्छा डिनर कर सकते हैं, जबकि उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक युद्धविराम की मध्यस्थता की। ट्रंप ने पश्चिम एशियाई राष्ट्र की अपनी यात्रा के दौरान सऊदी अरब-यूएस इन्वेस्टमेंट फोरम 2025 में कहा कि वे वास्तव में साथ मिल रहे हैं। शायद हम उन्हें एक साथ ला सकते हैं जहाँ वे बाहर जाकर एक साथ अच्छा डिनर कर सकें। क्या यह अच्छा नहीं होगा?

शेयर बाजार गिरा, सेंसेक्स में आई 230 अंक की गिरावट

(एजेन्सी)।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार 15 मई को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में कमजोर रुझानों के बीच घरेलू शेयर बाजार का हाल भी ऐसा ही रहा है। बाजार के खुलने के साथ ही सेंसेक्स सुबह लगभग 9.15 बजे 88.70 अंक नीचे गिर गया है। इसके बाद से ही सेंसेक्स 81,239.95 के स्तर पर बना हुआ है।

इसके बाद सेंसेक्स 15 मिनट के अंदर यानी साढ़े नौ बजे फिर से 230 अंक नीचे गिर गया है। निफ्टी 50 में भी 29.10 अंक नीचे गिरते हुए 24,637.80 के स्तर पर खुला है। शुरूआती सौदों के बाद बीएसई सेंसेक्स 247.22 अंक की गिरावट के साथ 81,082.80 अंक पर और निफ्टी 67.15 अंक फिसलकर 24,599.75 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरावट में रहे। टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में तेजी रही।

वहीं एशियाई बाजार में गिरावट देखने को मिली है। अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड डील होने के बाद बाजार को इस डील से सकारात्मक उम्मीद थी। हालांकि बाजार का रुख ऐसा नहीं रहा है। वहीं जापान के शेयर बाजार में 0.90 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। वहीं टॉपिक्स में 0.76 फीसदी की गिरावट आई है। अमेरिका में एसएंडपी 500 में 0.10 फीसदी की हल्की बढ़त देखने को मिली है। नैस्डैक में 0.72 फीसदी की बढ़त दिखी है।

सोनू निगम को बड़ी राहत

(एजेन्सी)।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को निर्देश दिया कि एक संगीत कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ दर्ज हाल के आपराधिक मामले के संबंध में अगली सुनवाई तक गायक सोनू निगम के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। अदालत ने गायक को जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा आवश्यक होने पर अपना बयान दर्ज करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने की भी अनुमति दी। वैकल्पिक रूप से, यदि आईओ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने पर जोर देता है, तो अदालत ने कहा कि अधिकारी सोनू से मिल सकता है, और गायक को संबंधित खर्च वहन करना होगा।

यह मामला एक कॉन्सर्ट में हुई घटना के बाद दर्ज की गई शिकायत से उपजा है। कुछ कन्नड़ प्रशंसकों ने सोनू से कन्नड़ में गाने का अनुरोध किया था। गायक ने कथित तौर पर अनुरोध के लहजे पर आपत्ति जताई और कथित तौर पर टिप्पणी की, "इसी वजह से पहलगाम हुआ," जम्मू और कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले से इसकी तुलना विवादास्पद रूप से की गई। सुनवाई के दौरान, सोनू के वकील धनंजय विद्यापति ने तर्क दिया कि

शिकायत केवल प्रचार के लिए दर्ज की गई थी और आईपीसी की धारा 505 के तहत सार्वजनिक शरारत का कथित अपराध नहीं बनता है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह एक अकेली घटना थी, संगीत कार्यक्रम सुचारू रूप से चला और शिकायत किसी तीसरे पक्ष द्वारा दर्ज की गई थी। हालांकि, राज्य के वकील ने कहा कि जांच के दौरान सोनू की टिप्पणियों की जांच की जानी चाहिए ताकि इरादे का पता लगाया जा सके। अदालत ने राज्य सरकार की दलील दर्ज की कि अगर सोनू जांच में सहयोग करेंगे तो उनके खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाएगा। अदालत ने अगली सुनवाई तक मामले में कोई भी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने पर रोक लगा दी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड ने इस कीवी दिग्गज को सौंपी जिम्मेदारी

(एजेन्सी)। इंग्लैंड की टीम अपने घर में भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। इससे पहले इंग्लैंड ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को इस बारे में घोषणा की। इसके मुताबिक पूर्व कीवी दिग्गज टिम साउदी को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के खत्म होने तक इंग्लैंड का विशेषज्ञ कौशल सलाहकार नियुक्त किया गया है। दिसंबर 2024 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले साउदी इंग्लैंड के अंतर्राष्ट्रीय सत्र के शुरूआती मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे। ये अगले गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट होगा। साउदी ने 107 टेस्ट मैच में 391 विकेट, 161 वनडे मैच में 221 विकेट और 126 टी20 मैच में 164 विकेट हासिल किए हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा कि दुनिया भर में विभिन्न परिस्थितियों और सभी प्रारूपों में खेलने के अपने विशाल अनुभव के साथ वह खिलाड़ियों को अहम जानकारी प्रदान करेंगे। सलाहकार की भूमिका के बाद वह बर्मिंघम फीनिक्स के लिए द हंड्रेड में खेलना शुरू करेंगे। बता दें कि, इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम युवाओं से भरी होगी। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली संन्यास ले चुके हैं। इसके अलावा रविचंद्रन अश्विन भी अब टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड दौरा किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होने वाला है। इन सबके बीच इंग्लैंड खेमे में टिम साउदी की गैरमौजूदगी निश्चित तौर पर भारत की परेशानी बढ़ाएगा।

अब कोलकाता में ही होगा आईपीएल 2025 फाइनल!

कोलकाता (एजेन्सी)। एक हफ्ता स्थगित रहने के बाद अब फिर से आईपीएल 2025, 17 मई से शुरू हो रहा है। वहीं 25 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाना था इससे पहले 23 मई को यहां क्वालिफायर 2 भी होना था लेकिन अब बीसीसीसआई के नए शेड्यूल का ऐलान किया है। हालांकि, इसमें प्लेऑफ के किसी भी मैच के वेन्यू की जानकारी नहीं दी गई है। वहीं खबर है कि 3 जून को कोलकाता में बारिश की संभावना है। इसलिए फाइनल किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट किया जा सकता है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल एडी चोटी का जोर लगा रहा है ताकि उनसे इन दोनों बड़े मैचों की मेजबानी ना छीनी जाए। इस बीच उअइ ने बीसीसीआई को एक अहम रिपोर्ट भी सौंपी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद दोनों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। 7 मई को कोलकाता में केकेआर बनाम सीएसके मैच खेला गया जो आईपीएल स्थगित होने से पहले आखिरी मैच साबित हुआ। इसके बाद 8 मई को पंजाब दिल्ली मैच बीच में ही रोकना पड़ा जो अब एक बार फिर से खेला जाएगा। बीसीसीआई के नए शेड्यूल का ऐलान हो चुका है इसमें प्लेऑफ के मैचों की तारीख भी शामिल हैं। अब प्लेऑफ का पहला मैच 29 मई को खेला जाएगा। इसके बाद एलिमिनेटर मैच 30 मई को होगा, दूसरा क्वालीफायर मैच 1 जून और फाइनल 3 जून को होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने लीग स्टेज को लिए 6 स्टेडियम को चुना है लेकिन अभी तक प्लेऑफ के मैचों का वेन्यू फाइनल नहीं हुआ है।

जयंती

करमशी जेठाभाई सोमैया

जन्म-16 मई, 1902; मृत्यु-9 मई, 1999) भारतीय शिक्षाविद थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनका विशेष योगदान है। उन्होंने महाराष्ट्र में कई शैक्षिक संस्थानों की स्थापना की। वर्ष 2000 में समाज के लिए उनकी सेवा के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। कई कॉलेजों का नाम उनके नाम पर रखा गया है। करमशी जेठाभाई सोमैया जी एक उद्योगपति और सोमैया समूह के उद्योगों के संस्थापक भी थे।

पुण्यतिथि

रूसी मोदी

जन्म-17 मई, 1918, मुम्बई ; मृत्यु-16 मई, 2014, कोलकाता) टाटा समूह के शीर्ष सदस्य थे। वे एयर इंडिया और तत्कालीन इंडियन एयरलाइंस के पूर्व संयुक्त अध्यक्ष और टाटा स्टील के सीएमडी थे। रूसी मोदी वर्ष 1939 में तत्कालीन टेस्को कंपनी में दैनिक वेतन भोगी के तौर पर एक प्रशिक्षु के रूप में जुड़े थे। तब उन्हें 50 पैसे दैनिक वेतन मिलता था। धीरे-धीरे वे कंपनी के लिए काम करते गए और 1993 में टाटा स्टील के अध्यक्ष नियुक्त किये गए। इन्होंने जमशेदपुर को इस्ताप नगरी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल स्तरीय अधिकारियों के साथ की गयी बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह
जमुई। सरकार की विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा ससमय पूरा कराने के निमित्त जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निदेशानुसार जिला पंचायती राज पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय तथा विकास मित्रों के साथ समाहरणालय परिसर अवस्थित सभा कक्ष में डॉ आंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत विशेष विकास शिविर मैं प्राप्त आवेदनों एवं उसके निष्पादन को लेकर बैठक आहूत कर आवश्यक निर्देश दिया।

बैठक में उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को मुख्य धारा में लाने तथा सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के निमित्त जिलाधिकारी ने 22 सेवाओं से जुड़े अधिकारियों को एससी एसटी टोलों में जाने तथा कैंप मोड में शत प्रतिशत परिवारों को सरकारी सेवाओं से आच्छादित करने की कड़ी हिदायत दी।

डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत हर टोला- हर परिवार- हर सेवा के संकल्प के साथ एससी एसटी टोलो में संचालित शिविरों में छूटे हुए/ वंचित परिवारों से प्राप्त आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ससमय निष्पादन करने तथा सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का सख्त निर्देश दिया है। शिविर में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को निश्चित रूप से ससमय उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा साप्ताहिक समीक्षा कर आवश्यक सुधार लाने का निर्देश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया है।सभी 22 सेवाओं से जुड़े अधिकारियों को पूरी तत्परता एवं जवाबदेही से कार्य कर सभी आवेदन का प्रायरिटी बेसिस पर निष्पादन करने तथा एससी एसटी टोलों में सभी योग्य परिवारो एवं व्यक्तियों को सरकारी योजना से आच्छादित करने का निर्देश दिया। इसके लिए जिलाधिकारी ने विशेष हिदायत देते हुए कहा कि महादलित टोलों में कोई भी परिवार अथवा कोई भी व्यक्ति सरकारी योजना के आच्छादन से वंचित न रहे। शिविर के सफल एवं सुचारु आयोजन हेतु पंचायत टीम गठित है तथा अधिकारियों एवं कर्मियों की तैनाती की गई है। सभी को सक्रिय एवं तत्पर होकर जवाबदेही से कार्य करने को कहा है। कोताही बरतने वालों को गंभीरता से लिया जाएगा।

मातृशक्ति के सम्मान में मनाया गया मातृ दिवस समारोह

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द
बारा प्रयागराज। शंकरगढ़ क्षेत्र के कनक नगर में एम वी कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की मातृ शक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ, जो क्षेत्र की माताओं द्वारा संपन्न हुआ।

बच्चों ने "बप्पा मोरया" गीत के साथ गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की आध्यात्मिक शुरूआत की। इसके बाद नन्हें-मुन्नों ने "तेरी उंगली पकड़ के" गीत पर एक मोहक और भावनात्मक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति में अभिनव गुप्ता द्वारा गाया गया गीत "आजा सांझ हुई, मुझे तेरी फिकर हुई" ने सबको भावुक कर दिया। वहीं "ओ मां तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..." गीत पर बच्चों की प्रस्तुति ने सभागार को भावनाओं से भर दिया। बच्चों ने एक नाट्य प्रस्तुति (प्ले) के माध्यम से मातृशक्ति के महत्व को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से दशार्या, जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। माताओं के लिए आयोजित "म्यूजिकल चेयर" टैग ऑफ वार जैसे गेम आयोजित किए गए। विद्यालय के प्रिंसिपल ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दीं और मातृ दिवस की बधाई देते हुए माताओं की भूमिका को अमूल्य बताया। विद्यालय के प्रबंधक बारा के विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा कि "माँ केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि की जननी है। उसकी ममता, त्याग और तपस्या ही समाज को सही दिशा देती है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में संस्कार और भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं।" उन्होंने अपने विद्यालय की उपलब्धियां और आगे की कार्ययोजना बताई। विद्यालय की चेयरपर्सन आकृति आर्या ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय स्टाफ की तारीफ की।

इस अवसर पर एम वी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की चेयरपर्सन प्रगति आर्या, विद्यालय के शिक्षक कृष्णदेव सिंह, अनुभव शर्मा, रंजना अग्रवाल, पूनम निषाद, इंद्रानी दत्ता, आबिद अली, जया लक्ष्मी, स्वाती, विधायक प्रतिनिधि फूल चंद्र पटेल, और विजय कुमार निषाद श्यामू, विधायक मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी, भाजपा मंडल अध्यक्ष अखिलेश पटेल, सोमनाथ वर्मा, मनोज त्रिपाठी , राजेश सिंह, शिव दयाल, गणेश शंकर, राम जी, बालेंद्र सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन छात्र योगेंद्र और छात्रा तनु ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावकों, शिक्षकों और बच्चों की उपस्थिति रही।

पंजाब पुलिस ने राज्य भर के बस अड्डों पर तलाशी अभियान चलाया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा
चंडीगढ़। राज्य से नशों के खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम "युद्ध नशों विरुद्ध" को 75वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस द्वारा राज्य भर के बस अड्डों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। यह ऑपरेशन डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शों पर सभी 28 पुलिस जिलों में चलाया गया।

इस राज्य स्तरीय ऑपरेशन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने कहा कि सभी सीपीज/एसएसपीज को इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) रैंक के अधिकारियों की निगरानी में भारी पुलिस बल तैनात करने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि राज्य भर के सभी बस अड्डों पर चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई।

इसके अलावा, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम को जारी रखते हुए 486 स्थानों पर छापेमारी की है, जिसके चलते राज्य भर में 83 एफआईआर दर्ज की गईं और 124 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ, 75 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 11,208 हो गई है।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 4.02 किलोग्राम हेरोइन, 2.5 किलोग्राम अफीम और 27090 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि 87 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1200 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में छापेमारी की और दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान 481 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

नशों के विरुद्ध मुहिम के हिस्से के रूप में, गुरदासपुर में गांव डीड़ा सांसीया में जल संसाधन विभाग की जमीन पर गैर-कानूनी तौर पर बनाए गए दो नशा तस्करों बलजिंदर और लखविंदर के घरों पर बुलडोजर चलाया गया। इस मौके पर सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने कहा कि दोनों मुलजिम, जिनका घर ढहा दिया गया है, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं। उन्होंने बताया कि दोषी बलजिंदर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट और आबकारी एक्ट के तहत 10 एफआईआर और दोषी लखविंदर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट और आबकारी एक्ट के तहत 12 एफआईआर दर्ज हैं।

स्पेशल डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस द्वारा व्यापक रणनीति तैयार की गई है और राज्य से नशे के पूर्ण खात्मे तक ऐसे ऑपरेशन जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने राज्य से नशों के पूर्ण खात्मे के लिए तीन-पक्षीय रणनीति - इंफोर्समेंट, डीएडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के 'डीएडिक्शन' हिस्से के रूप में 116 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया है।

इस दौरान, पंजाब पुलिस ने राज्य की जेलों में किसी भी गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए छह जिलों-कमिश्नरेट जालंधर, होशियारपुर, एसबीएस नगर, जालंधर देहाती, कपूरथला और रूपनगर-की विभिन्न जेलों में भी तलाशी अभियान चलाया। स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा, "हमारी पुलिस टीमों द्वारा जेल परिसर में बैरकों, रसोई और शौचालयों सहित हर कोने और कोने की अच्छी तरह से तलाशी ली गई है।"

संगरूर जेल के अंदर चल रहे नशा तस्करी रैकेट का पदार्फाश; डीएसपी सुरक्षा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सहित 19 लोग गिरफ्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा
चंडीगढ़/संगरूर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेर्शों पर शुरू की गई 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए, संगरूर पुलिस ने जेल के अंदर से चल रहे तस्करी रैकेट का पदार्फाश करके इस मामले में जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) सुरक्षा गुरप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

उन्होंने बताया कि विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए संगरूर

जेल के अंदर छापेमारी के दौरान 12 मोबाइल फोन, 4 स्मार्टवॉच, 50 ग्राम अफीम, 12 ग्राम हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद हुए। डीजीपी ने इस मामले में जेल कर्मचारी की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रशांत नामक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, जिसकी भूमिका तस्करी संबंधी गतिविधियों को सुचारू ढंग से चलाने में सामने आई है, की संलिप्तता का भी पता चला है।

उन्होंने कहा कि आगे-पीछे के संबंधों की जांच के दौरान अमृतसर के नशा तस्कर मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जो इस समय संगरूर जेल में बंद कैदी गुरविंदर सिंह का साथी है। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस टीमों ने दोषी मनप्रीत के कब्जे से 4 किलो हेरोइन, 5.5 लाख रुपये की ड्रग मनी और दो जिंदा कारतूस सहित एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद किया है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इस मामले में जांच जारी है और आगे और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि इन गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल व्यक्ति, चाहे वह किसी भी रैंक या पद का हो, को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

अधिक जानकारी देते हुए सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) संगरूर सरताज सिंह चहल ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मुलजिम डीएसपी गुरप्रीत सिंह जेल में नशीले पदार्थों और मोबाइल फोन की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल था।

उन्होंने कहा कि जांच में यह भी सामने आया है कि मुलजिम डीएसपी ने जेल में 25 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन पहुंचाने के बदले कैदी गुरचेत के रिश्तेदार से 40000 रुपये नकद और यूपीआई के माध्यम से अपनी पत्नी के खाते में 26000 रुपये प्राप्त किए थे। उन्होंने बताया कि कुल 25 ग्राम हेरोइन में से, 12 ग्राम हेरोइन रवि नाम के एक अन्य कैदी से बरामद की गई है, जो गुरचेत के कहने पर आगे अन्य कैदियों को नशे बेचता था।

एसएसपी ने कहा कि डीएसपी गुरप्रीत सिंह, कर्मचारी प्रशांत, नशा तस्कर मनप्रीत सिंह, कैदी गुरचेत की मां बंतो उर्फ बंसो और 15 कैदियों गुरविंदर सिंह, लवजीत सिंह, सिकंदर सिंह, प्रगट सिंह, सुल्तान सिंह, अमन कुमार, अजय, हरप्रीत सिंह निवासी लुधियाना, ऋषिपाल, हरप्रीत सिंह निवासी धूरी, मुन्ना, गुरराज सिंह, रघवीर सिंह, गुरचेत सिंह और राजीव कौशल उर्फ गग्गू सहित कुल 19 मुलजिमों को अब तक गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क को बेनकाब किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगियां होने की संभावना है। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धारा 18, 21, 29 और 27ए, जेल एक्ट की धारा 52-ए और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत पुलिस थाना सिटी-1 संगरूर में एफआईआर नंबर 75 दिनांक 27/4/2025 के तहत पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है, जबकि इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 बाद में जोड़ी गई।

बाबू मूल चंद जैन आईटीआई में मनाया गया प्रौद्योगिकी दिवस: राकेश भाटिया

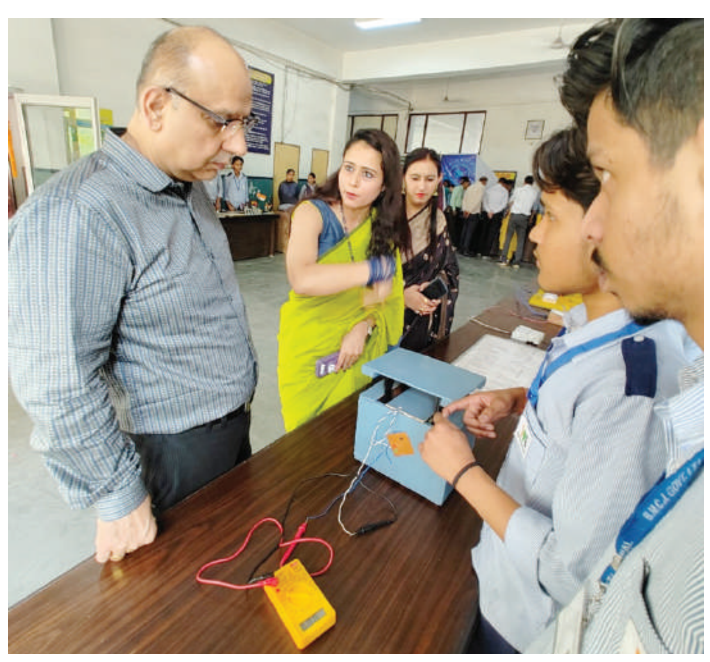

एसबी विशेष संवाददाता
करनाल। बाबू मूल चंद जैन आई टी आई में वीरवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दिवस सरकार की हिदायतों के अनुसार मनाया गया। जिसमें भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के ऊपर प्रोजेक्ट, कॉम्पिटिशन करवाया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार जजों के द्वारा दिए गए। इस अवसर पर शुगर मिल करनाल के अधीक्षक अभियंता भजन लाल कंबोज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी।

प्रधानाचार्य राकेश भाटिया ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विषय में विशिष्ट जानकारी छात्रों के साथ साझा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधीक्षक अशोक कुमार उप प्रधानाचार्य मीनाक्षी, वर्ग अनुदेशक महेन्द्र सिंह, मुकेश कुमार, देशराज. गुलशन हर्ष गिरधर, सुमेर चंद, राहुल की मुख्य भूमिका रही।

साइबर अपराधों से बचने के लिए रहें सजग व सतर्क : उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता
करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि बढ़ते हुए साइबर अटैक अथवा साइबर अपराधों को रोकने में सरकार व प्रशासन ही नहीं उपभोक्ता की भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे हमलों को रोकने में उपभोक्ताओं की सजगता और सतर्कता की बहुत बड़ी भूमिका होती है। साइबर अटैक के लिए आवश्यक है कि उपभोक्ता, फोरम, वेबसाइट पर अपनी संवेदनशील जानकारी ईमेल आईडी, पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड की डिटेल शेयर न करें। अपना पासवर्ड मजबूत रखें, कोई भी लिंक क्लिक करने से पहले देखें कि वह वेबसाइट ठीक है या नहीं। उन्होंने कहा कि सिस्टम की सुरक्षा के लिए अपने सिस्टम को अपडेट करते रहें और भरोसेमंद सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें।

उन्होंने बताया कि स्पैम मैसेज को खोलने से बचें और ओपन वाईफाई का इस्तेमाल न करें। साथ ही एक ही वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का प्रयोग करें। आप एक सुरक्षित नेटवर्क से जुडकर सावधानी और सजगता बरतकर साइबर हमले अथवा अपराध की गिरफ्त में आने से बच सकते हैं।

इसी कड़ी में पुलिस विभाग द्वारा भी साइबर अपराधों से निपटने के लिए हेल्पलाइन नम्बर 1930 शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि अटैकर्स कमजोर सिस्टम पर हमला करने और उस पर नियंत्रण करने के लिए मैलिसस कोड का सहारा लेते हैं। साइबर सिक्योरिटी पर अटैक अनेक प्रकार से किए जा सकते हैं। इसके लिए मैलवेयर, फिशिंग अटैक, डिनायल ऑफ सर्विस, मेन इन द मिडिल के माध्यम से किया जा सकता है। इसको सिस्टम को हैक करने, क्रिप्टो करेंसी के रूप में पैसे की मांग के लिए या फिर डार्क वेब पर डेटा बेचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तरह के हमले में संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण जानकारी जो उपयोगकर्ता की वेबसाइट पर उपलब्ध है, उसे बिना किसी वेबसाइट या यूजर्स के ज्ञान के हाईजैक किया जा सकता है।

साईबर सिक्योरिटी टिप्सः उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि यदि आप इंटरनेट का उपयोग बैंकिंग से जुड़ी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए करते हैं, तो आपको अपने डिवाइस में साइबर सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए एंटी वायरस को जरूर इंस्टॉल करना चाहिए। एक अच्छा एंटी वायरस आपको मैलवेयर और डाटा सिक्योरिटी बीच के खतरे से बचाने का काम करता है।

उ.प्र. अपराध निरोधक समिति के अध्यक्ष का बदायूं आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

संजना भारती संवाददाता
बदायूं। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति लखनऊ के यशस्वी चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार, उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति के अध्यक्ष एवं समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण के बदायूं आगमन पर जिला अपराध निरोधक समिति बदायूं के सदस्यों द्वारा शिष्टाचार भेंटकर उनका भव्य स्वागत किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष असीम अरुण ने जिला प्रभारी मोहम्मद शमसुद्दीन शम्स से कमेटी के कार्यों के बारे में जानकारी ली और बदायूं कमेटी कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचने में सहयोग करे।

इस अवसर पर समिति के जिला प्रभारी मु. शमसुद्दीन शम्स, उपाध्यक्ष मुहम्मद खिजर अहमद, कोषाध्यक्ष नेत्रपाल सिंह शैलानी, मीडिया प्रभारी इंतजार हुसैन, उप सचिव सी. पी. सिंह, संगठन सचिव डॉ संजीव शाक्य, कार्यालय प्रभारी आदिल हुसैन जकरिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बिहार पुलिस में चयनित अभ्यर्थी को किया सम्मानित

एसबी संवाददाता/मोहित
अकबरनगर। आजाद क्रीड़ा मैदान श्रीरामपुर पर आजाद डिफेंस अकेडमी के द्वारा बिहार पुलिस मे चयनित अभ्यर्थी को नप अध्यक्ष प्रतिनिधि अंजीत कुमार,थाना के एसआई राकेश कुमार, आजाद डिफेंस अकेडमी संचालक आकाश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अभ्यर्थी को फुलमाला पहना, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। लिखित परीक्षाफल आने के बाद आजाद डिफेंस अकेडमी मे शारीरिक परीक्षा की तैयारी कर रहे नेहा भारती, आरती कुमारी, प्रिया, रोनक कुमारी, काजल कुमारी, शाहबाज, चंद्रशेखर आदि ने सफलता पाई। जो विभिन्न जिलों में बिहार पुलिस में अपना योगदान देगे।

इस दौरान गणमान्य लोगों ने कहा कि अब बेटियां भी हर विभाग में बढ चढ़कर अपनी भागीदारी निभा रही है। इस बार बिहार पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व पुरुषों से अधिक रहा, जो राज्य की समावेशी और महिला सशक्तिकरण नीतियों की सफलता दशार्ता है। आजाद डिफेंस अकादमी के संचालक आकाश कुमार ने कहा कि लिखित परीक्षाफल आने के बाद अभ्यर्थियों ने अपनी लगन और मेहनत के बल पर इस मुकाम को हासिल किया है। आजाद डिफेंस एकेडमी के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है। इस दौरान शारीरिक परीक्षा की तैयारी करने वाले से सैकड़ो लडके लड़कियां उपस्थित रहे।

हरियाणा की नई पानी की मांग क्षमता से भी अधिक, पहले के समझौतों का उल्लंघन: बरिंदर गोयल

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा
चंडीगढ़। पंजाब के जल संसाधन और भूमि एवं जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) की हुई तकनीकी कमेटी की बैठक के दौरान हरियाणा ने 9,525 क्यूसेक पानी की अपनी मौजूदा असंभव मांग को और बढ़ाकर 10,300 क्यूसेक कर दिया है जिससे सिद्ध होता है हरियाणा पानी के बंटवारे संबंधी बातचीत को और जटिल बना रहा है।

पंजाब, राजस्थान और हरियाणा राज्यों के अधिकारियों की बैठक के बाद विवरण साझा करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हरियाणा की बढ़ती मांग से स्पष्ट होता है कि वह साझे पानी संबंधी हमारी चुनौतियों को किसी निष्कर्ष पर पहुंचाने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की चालों से लगता है कि वह इस मुद्दे को हल ही नहीं करना चाहता।

उन्होंने कहा कि बी.बी.एम.बी. के चेयरमैन की अध्यक्षता में हुई तकनीकी कमेटी की बैठक के दौरान जल संसाधन विभाग के सचिव कृष्ण कुमार और मुख्य अभियंता शेर सिंह ने पंजाब का प्रतिनिधित्व किया जबकि हरियाणा और राजस्थान के मुख्य अभियंताओं के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में ऑनलाइन भाग लिया।

कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा, "हरियाणा ने पहले 8,500 क्यूसेक पानी की मांग की थी जिसके बारे में हमारी तकनीकी टीम ने पहले ही स्पष्ट रूप से बता दिया था कि इतना पानी प्रदान करना असंभव है लेकिन फिर भी हम मानवता के आधार पर हरियाणा को पहले ही 4 अप्रैल से विशेष रूप से पीने के पानी के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए 4,000 क्यूसेक पानी सप्लाई कर रहे हैं।"

उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा पहले ही पानी देने संबंधी अपनी सीमाओं के बारे में हरियाणा को अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद हरियाणा ने 21 मई से 10,300 क्यूसेक पानी की मांग की है, जबकि उनके पिछले लिखित पत्राचार में 9,525 क्यूसेक का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा कि पानी की मांग में यह वृद्धि बहुत अधिक और अनुचित है।

बरिंदर कुमार गोयल ने हरियाणा की मांगों को पूरा करने संबंधी जमीनी हकीकत के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि भाखड़ा मेन लाइन (बी.एम.एल.) की अधिकतम क्षमता 11,700 क्यूसेक है। पंजाब को अपनी महत्वपूर्ण जरूरतों के लिए कम से कम 3,000 क्यूसेक की आवश्यकता है। हरियाणा की 10,300 क्यूसेक की मांग से सीधे तौर पर पंजाब में नहर का पानी खत्म ही हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की यह मांग पानी सप्लाई करने के बुनियादी ढांचे की सुरक्षित क्षमता से भी अधिक है। यह स्थिति तब और भी भयानक हो जाती है जब बी.एम.एल. की मरम्मत का काम चल रहा हो। उन्होंने कहा कि पंजाब के अधिकारियों ने बैठक के दौरान हरियाणा की 9,525 क्यूसेक पानी की पिछली लिखित अनुरोध संबंधी दस्तावेजी सबूत भी पेश किए जिससे हरियाणा की नई और पिछली मांग के बीच बड़ा अंतर साफ-साफ उजागर होता है।

करनाल के वार्डो में करीब 2 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यो का हुआ शिलान्यासः जगमोहन आनंद

■ विकास कार्यो में नहीं रहने दी जाएगी कोई कमी ■ 'सेना के शौर्य सम्मान के लिए तिरंगा यात्रा का होगा आयोजन'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद और नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता ने वीरवार को संयुक्त रूप से वार्ड नम्बर-3,7,12,19 और वार्ड नम्बर-20 में करीब 2 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से होनें वाले विकास कार्यो का शिलान्यास किया।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि करनाल के विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नही छोड़ी जाएगी तथा करनाल के हर कोने तक विकास की रोशनी पहुंचाना ही हमारा संकल्प है। करनाल नगर निगम में विकास के लिए 400 करोड़ के बजट का प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लगातार विकास कार्य करवाएं जा रहें है और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को लाभ मिल सके इस पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के पैसे का सही इस्तेमाल हो और करनाल स्वच्छ और सुंदर दिखे तथा विकास कार्यो की रैंकिंग में नम्बर वन रहें इस का पूरा ध्यान रखा जा रहा है तथा लगातार कार्य किया जा रहा है।

करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि जनता ने उन्हें जन-सेवक के रूप में चुना है, इसलिए जनता के प्रति जवाबदेही उनकी है। जनता के विश्वास से तीसरी बार भाजपा की सरकार प्रदेश में बनी है और ट्रिपल इंजन की सरकार इस समय प्रदेश में काम कर रही है। सबका-साथ सबका -विकास सबका- विश्वास के सिद्धांत पर काम कर रही है। करनाल में जो भी विकास कार्य हो रहें है, उस जगह पर उस विकास कार्य से संबंधित बोर्ड लगाया गया है, इस बोर्ड पर विकास कार्यो से संबंधित पूरी जानकारी अधिकारियों के नम्बर के साथ साझा की जा रही है ताकि आम जनता को पता लग सके कि कौन सा विकास कार्य हो रहा है और उस पर कितनी लागत आई है। विधायक ने यह भी कहा कि विकास कार्यो से संबंधित जनता को अगर कुछ कहना है या वो काम से संतुष्ठ नही है तो वे बोर्ड पर लिखे अधिकारी के फोन नम्बर पर या उन्हें बता सकतें है।

विधायक ने कहा कि शुक्रवार को सेना के शौर्य सम्मान के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। तिरंगा यात्रा हर वार्ड से निकाली जाएगी और इसका समापन रामलीला ग्राउंड में शाम 5 बजे होगा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित आम जनता तथा विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी शामिल होगें। करनाल नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि वीरवार को विभिन्न वार्डो में विकास कार्यो का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि करनाल का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है, करनाल के विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नही छोड़ी जाएगी।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में होगी आसानी, ई-कार्ट के उपयोग से होगी ईंधन की बचतः विधायक

■ डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए 30 ई-कार्ट को मिली हरी झंडी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने वीरवार को हलके के विभिन्न गांवों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए 30 ई -कार्ट को बीडीपीओ कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम स्थल पहुंचनें पर विधायक का पुष्प-गुच्छ व फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि गांवों में स्वच्छता और बेहतर कचरा प्रबंधन सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार गांवों को कचरा मुक्त बनाने की दिशा में बेहतरी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इन ई-कार्ट का उपयोग संबंधित पंचायतों के गांवों से सूखा एवं गीला कचरा एकत्र करने के लिए किया जाएगा और इसे पंचायत स्तर पर बने कचरा संग्रहण शेड में जमा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कचरा उठाने के लिए ई-कार्ट के उपयोग से कम समय में अधिक कार्य होगा। वहीं, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में भी आसानी होगी। ई-कार्ट का उपयोग होने से ईंधन की बचत होगी और साथ ही प्रदूषण भी कम होगा।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अब कूड़ा उठाने के लिए डीजल वाहनों की जगह ई-कार्ट रिक्शा कचरा रेहड़ी लगाई गई है। इससे एक ओर पर्यावरण प्रदूषण रहित होगा, दूसरी ओर डीजल से होने वाले खर्चों में भी बचत होगी। ये ई-रिक्शा ग्राम पंचायत क्षेत्र में घर-घर जाकर कचरा एकत्रित करेंगे, इससे गांव में साफ-सफाई होगी और गांव साफ-सुथरा बनेगा। उन्होंने कहा कि सफाई हमारे जीवन का अहम हिस्सा है और यदि हमें अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रखना है तो हमें स्वच्छता को अपनाना होगा और अपने आसपास साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चहुंमुखी विकास को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है और वर्तमान सरकार का यही प्रयास रहा है कि विकास के मामले में प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को पीछे नहीं रहने दिया जाए। लोगों ने उन्हें हलके की बागडोर इसलिए दी कि मैं उनकी समस्याओं का समाधान कर सकूं और मेरा भी दायित्व बनता है कि मैं लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करके लोगों की समस्याओं का समाधान करवा सकूं।

शहीद उधम सिंह राजकीय गर्ल कॉलेज में फर्स्ट ऐड व सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस अध्यक्ष उत्तम सिंह के निदेर्शानुसार वर्तमान परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए सभी कॉलेजों और स्कूलों में फर्स्ट ऐड व सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग करवाई जानी हे। इसी कड़ी में गत दिवस जिला रेड क्रॉस एवं भारतीय रिजर्व बटालियन मधुबन के संयुक्त तत्वाधान से शहीद उधम सिंह राजकीय गर्ल कॉलेज इन्द्री के परिसर में फर्स्ट ऐड व सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई, जिसमें कॉलेज के सभी छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

इस मौके पर इंडियन रिजर्व बटालियन से इंस्पेक्टर संजीव ने अपनी टीम के साथ डेमन्स्ट्रेशन के माध्यम से बताया कि कैसे हम किसी भी प्रकार की आपदा में बिना घबराए आमजन की कैसे सहायता कर सकते है व उनकी जान बचा सकते है। इसके साथ ही जिला रेडक्रॉस करनाल से आए फर्स्ट ऐड लेक्चरर डॉ. नीना ने आपदा के दौरान घायल व्यक्तियों को फर्स्ट ऐड देकर उनकी जान बचाने के उपाय बताएं।

जिला कैथल में ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में 16 मई को निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

■ यात्रा की अगुवाई कुरुक्षेत्र लोकसभा के सांसद नवीन जिंदल करेंगेः पूर्व विधायक लीला राम

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। पूर्व विधायक कैथल लीला राम ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में 16 मई को कैथल शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा की अगुवाई कुरुक्षेत्र लोकसभा के लोकप्रिय सांसद नवीन जिंदल करेंगे। बताया गया कि यात्रा दोपहर बाद 3 बजे गीता भवन में शुरू होगी। जहां से सभी लोग इकट्ठे होकर के हाथों में तिरंगा लेकर के भारत माता का उद्घोष करते हुए निकलेंगे। शहर की सभी संस्थाओं से जुड़े लोग, भाजपा कार्यकर्ताओं व सभी आमजन अधिक से अधिक संख्या में पधारकर भारतीय सेना के शौर्य और सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रतिभागी बने। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले तथा उनके आकाओं को करारा जवाब दिया है।

तिरंगा यात्रा भारत माता के गौरव तथा वीर सैनिकों के शौर्य को याद करने का उत्सव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह काबिले तारीफ है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

गांव किच्छाना में गैर मान्यता प्राप्त नीजि स्कूल पर सीएम फ्लाइंग की रेड

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। गुप्तचर विभाग की सूचना पर मुख्यमंत्री उड़न दस्ता जींद-कैथल की टीम द्वारा सुरेन्द्र कुमार, उप जिला शिक्षा अधिकारी कैथल पुरुषोतम शर्मा, आकड़ा सहायक व पीयूष कुमार लिपिक के साथ संयुक्त टीम बनाकर गांव किच्छाना में गैर मान्यता प्राप्त हर-हर महादेव प्राईवेट स्कूल जो एक घर में चलाया जा रहा था पर रेड की गई। चैंकिग के अनुसार स्कूल में नर्सरी में 30, केजी में 11, पहली में 10, दूसरी में 05, तीसरी में 05, चौथी में 03, पांचवी में 02 (कुल 66 विद्यार्थी) पाए गए। स्कूल का मालिक रमेश कुमार पुत्र वजीर सिंह स्कूल की मान्यता से सम्बंधित कोई कागजात पेश नही कर सका। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूल मालिक रमेश कुमार के खिलाफ बिना मान्यता के स्कूल चलाने बारे शिक्षा विभाग के नियमानुसार कार्यवाही करते हुए नोटिस दिया गया तथा स्कूल से सम्बंधित अन्य रिकॉर्ड कब्जा में लिया गया। कहा गया की रिकार्ड जांच उपरांत आगामी कार्यवाही अमल में लायी जाएंगी।

आदर्श स्कूल जाखोली में मानव स्वास्थ्य पर सेमिनार का आयोजन किया गया

■ सीएमओ डॉ. रेनू चावला के निर्देशानुसार स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गयाः एसएमओ डा. संदीप

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। आदर्श स्कूल जाखोली में मानव स्वास्थ्य पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेनू चावला के निर्देशानुसार आदर्श स्कूल, जाखोली में एक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का संचालन चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप द्वारा किया गया।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा देना था। साथ ही कैंसर क्षय रोग (टीबी) और गैर-संक्रामक रोगों (NCDs) जैसे मधुमेह उच्च रक्तचाप आदि के प्रति छात्रों एवं शिक्षकों को जागरूक करना भी रहा।

सीएचसी राजौंद के कार्यवाहक एसएमओ डॉ. संदीप ने छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी दी और बताया कि समय पर जांच और सही जीवनशैली से इन बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने टीबी की पहचान, उपचार और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

विद्यालय प्रबंधन ने डॉ. संदीप और स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की इच्छा जताई।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि कर रहा नशे के प्रति छात्रों को जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा ब्रह्माकुमार भ्राता मेहरचंद के दिशानिर्देश अनुसार क्षेत्र में नशा मुक्ति अभियान चला रखा है। इसी अभियान के तहत हिमालय पब्लिक स्कूल असंध, गुरु गोबिंद सिंह हाई स्कूल व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अरडाना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने कहा कि संस्था ने नशे को जड़ से खत्म करने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए लोगों को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी व्यक्ति के जीवन, परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। यह बुरी संगत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से व्यक्ति नकारात्मक से बाहर निकलकर सकारात्मक जीवन जी सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों व अध्यापकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। हिमालय पब्लिक स्कूल के प्रबंधक सर्वजीत सिंह व प्रधानाचार्य वासुदेव शर्मा ने छात्रों को नशे के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूक किया और उनसे नशे से दूर रहने का अनुरोध किया। बीके सरिता ने बताया कि विभिन्न स्कूलों में पहुंच कर ब्रह्माकुमारियां छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर रही है। क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों व गांवों में जाकर नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया जा रह है।

इस अवसर पर बीके अनीता, बीके नीरू, बीके भानु भाई सहित अन्य स्कूल स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

राजौंद के वार्ड 5, गांव खुरडा में नपा द्वारा ड्यूटी मैजिस्ट्रेट एसडीओ योगेश कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

■ सरकार के निर्देश अनुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगाः नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर पालिका राजौंद अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त मूड में आ चुकी है। नगर के वार्ड नंबर पांच गांव खुरडा में गांव की फिरनी से दर्जनों अतिक्रमण हटाए गए। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि कुछ नागरिकों द्वारा गांव खुरडा की फिरनी पर अवैध कब्जा कर रखा था।

पिछले कई महीनो से अतिक्रमण करने वालों को नोटिस दिए जा रहे थे। लेकिन अतिक्रमण करने वालों ने अपने अतिक्रमण नहीं हटाया। मजबूरी में नगर पालिका को जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाने के लिए वार्ड पांच, गांव खुरडा में पहूचना पड़ा। सचिव ने कहा कि सरकार व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के आदेश पर नपा प्रशासन राजौंद ने ड्यूटी मैजिस्ट्रेट एसडीओ बिजली विभाग राजौंद योगेश कुमार की अगुवाई में जेसीबी मशीन से अवैध कब्जे हटाएं गये। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द पूरे राजौंद को कब्जा मुक्त किया जाएगा।

सरकार के निर्देश अनुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। सचिव ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि जिन्होंने नगर पालिका कि जमीन, गलियों, सड़कों, किसी भी प्रोपर्टी पर अवैध कब्जे कर रखे हैं वे अपने आप अवैध कब्जों को हटा ले, अन्यथा मजबूरी में नगर पालिका राजौंद द्वारा उन अवैध कब्जो, गली में बने हुए चबूतरे, सीडियां, गली में बने हुए रैंप, अवैध बने हुए मकानों को जेसीबी मशीन से हटवाया जाएगा। नगर पालिका राजौंद के अंतर्गत आने वाली नपा की हर प्रकार की प्रॉपर्टी को कब्जा मुक्त करवाया जाएगा।

ड्यूटी मैजिस्ट्रेट एसडीओ बिजली विभाग राजौंद योगेश कुमार ने बताया कि सरकार के निर्देश अनुसार नपा राजौंद के वार्ड नंबर 5, गांव खुरडा से अवैध कब्जा हटाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कब्जा धारियों को कई बार नोटिस दिए जा चुके थे, लेकिन उन्होंने नपा की प्रॉपर्टी से अपना अवैध कब्जा नहीं हटाया, मजबूरी में नपा को जेसीबी मशीन से कब्जा हटाओ अभियान चलाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि कारवाई शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। पूरी कार्यवाही में मौके पर पुलिस थाना राजौद के आफिसर, महिला व पुरुष पुलिस दर्जनों कर्मी मौजूद रहे।

पुलिस टीम इंचार्ज सब इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि नपा प्रशासन राजौंद द्वारा वार्ड पांच खुरडा गांव की फिरनी से अवैध कब्जा हटाया गया है। अवैध कब्जा हटाने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया है।

इस अवसर पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट एसडीओ बिजली विभाग राजौंद योगेश कुमार, सचिव नपा राजौंद नरेंद्र शर्मा, सब-इंस्पेक्टर पवन कुमार, एमई अशोक कुमार, जेई अश्वनी, वार्ड पार्षद गांव खुरडा, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, कार्यालय स्टाफ प्रदीप कुमार डांडी, पुलिस विभाग व नपा के दर्जनों कर्मी, सभी सफाई कर्मी व कार्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया टीकाकरण

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम असंध ने छात्राओं को टीकाकरण किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम से मनजीत और सुशीला ने बच्चों को टिटेनस के टीके के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से टेटनस का टीका अनेक बीमारियों से बचाता है तथा इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि टेटनेस का टीका लगने से बुखार हो सकता है और थोड़ी बहुत सूजन भी आ सकती है, इसमें ज्यादा घबराने की कोई बात नहीं है।

इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य अजमेर सिंह सिंधु ने बच्चों को बताया कि हमें अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम का भी धन्यवाद किया।

इस अवसर पर गौतम नायक, डॉ. भूपेंद्र सिंह, मीना वर्मा, प्रवीन, रिम्पी, डॉ. शीशनपाल, राजेंद्र वर्मा, तिलकराज सहित अन्य स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहा।